# सृजन और विभावन का द्वैताद्वैत

रेवतीरमण

# सृजन और विभावन का द्वैताद्वैत

रेवतीरमण

नयी किताब प्रकाशन

सृजन और विभावन का द्वैताद्वैत

© रेवतीरमण

**प्रकाशक**
नयी किताब प्रकाशन
1/11829, ग्राउंड फ्लोर, पंचशील गार्डन,
नवीन शाहदरा, दिल्ली-110032
nayeekitab@gmail.com
www.nayeekitab.com

*शाखा*
नयी किताब प्रकाशन
16, शांतिमोहन हाउस, अंसारी रोड
दरियागंज, नयी दिल्ली-110002

मूल्य : ₹ 450

प्रथम संस्करण : 2020

मुद्रक : हर्ष प्रिंटर्स, दिल्ली-110032

RAMLEELA TATHA ANYA KAHANIYAN
*Edited by* Ravishankar singh
First Edition : 2020

Price : Rs. 450.00
ISBN : 978-93-87187-83-2

# अनुक्रम


| | |
|---|---|
| आलोचना में रचना-दृष्टि का विनियोग | 7 |
| सिद्धान्त सौन्दर्यानुसंधान में व्यवधान है | 11 |
| आलोचना : विचार का मुक्तिलोक | 20 |
| परंपरा की समझ और नवोन्मेष | 33 |
| अशुद्ध काव्य की संकल्पना | 43 |
| नन्दकिशोर नवल की साहित्य-साधना | 56 |
| रमेशचन्द्र शाह की छायावादी काव्यालोचना | 69 |
| आलोचना की भाषा में सृजन | 80 |
| चौथीराम यादव का आलोचना साहित्य | 86 |
| इतिहास-बोध और रचना-मनीषा | 99 |
| मुक्तिबोध की सभ्यता-समीक्षा | 109 |
| सुमन की कविता | 119 |
| भारतीय नवजागरण और राजा राममोहन राय | 127 |
| ब्रजभाषा बनाम खड़ी बोली | 138 |
| प्रयोगवाद और नयी कविता | 145 |
| 'बाणभट्ट की आत्मकथा' : आख्यान में संदेश | 155 |
| उदात्त और महत् का पुनर्प्रतिष्ठापन | 165 |
| डायरी के शिल्प में क्रांति-विज्ञान | 175 |
| आलोचना का मज्झिम निकाय | 187 |
| सृजन और विभावन का द्वैताद्वैत | 201 |